

पाठ – 8

पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन

Q1. निम्नलिखित में से कौन पर्यावरण के बारे में बढ़ती चिंताओं का कारण बताता है?

- (क) विकसित देश प्रकृति की रक्षा के लिए चिंतित हैं।
- (ख) पर्यावरण का संरक्षण स्वदेशी लोगों और प्राकृतिक आवासों के लिए महत्वपूर्ण है।
- (ग) मानवीय गतिविधियों के कारण होने वाला पर्यावरणीय हास व्यापक हो गया है और खतरनाक स्तर पर पहुँच गया है।
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (स) मानवीय गतिविधियों के कारण होने वाला पर्यावरणीय हास व्यापक हो गया है और खतरनाक स्तर पर पहुँच गया है।

Q2. पृथ्वी शिखर सम्मेलन के बारे में निम्न कथनों में से प्रत्येक के खिलाफ सही या गलत को चिह्नित करें-

(क) इसमें 170 देशों, हजारों एनजीओ और कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भाग लिया।

उत्तर : सही

(ख) शिखर सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

उत्तर : गलत

(ग) पहली बार, वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दों को राजनीतिक स्तर पर मजबूती से पेश किया गया।

उत्तर : सही

(घ) यह एक महासम्मेलनी बैठक थी।

उत्तर : गलत

Q3. निम्नलिखित में से कौन 'विश्व की साझी विरासत' के बारे में सच है?

(क) पृथ्वी के वायुमंडल, अंटार्कटिका, समुद्र तल और बाहरी अंतरिक्ष को 'विश्व की साझी विरासत' माना जाता है।

(ख) 'विश्व की साझी विरासत' संप्रभु क्षेत्राधिकार के बाहर हैं।

(ग) 'विश्व की साझी विरासत' के प्रबंधन के सवाल पर उत्तर-दक्षिण देशों के बीच मतभेद है।

(घ) उत्तर के देश, दक्षिण के देशों की तुलना में 'विश्व की साझी विरासत' के संरक्षण के लिए अधिक चिंतित हैं।

उत्तर : (अ) पृथ्वी के वायुमंडल, अंटार्कटिका, समुद्र तल और बाहरी अंतरिक्ष को 'विश्व की साझी विरासत' माना जाता है।

Q4. रियो-शिखर सम्मेलन के परिणाम क्या थे?

उत्तर : रियो-शिखर सम्मेलन के विभिन्न सकारात्मक परिणाम देखने को मिले, इसे पर्यावरण के क्षेत्र में एक आवश्यक शिखर सम्मेलन भी माना गया। रियो-शिखर सम्मेलन ने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, वानिकी से संबंधित सम्मेलनों का उत्पादन किया और एजेंडा 21 नामक विकास प्रथाओं की एक सूची की सिफारिश की। इसने सतत विकास की अवधारणा को पारिस्थितिक जिम्मेदारी के साथ संयुक्त आर्थिक विकास दिया। रियो-शिखर सम्मेलन ने पर्यावरण की वैश्विक राजनीति में 'विश्व की साझी विरासत' जैसे विभिन्न विवादास्पद मुद्दों को विकसित किया। इसलिए, हम रियो-शिखर सम्मेलन के महत्व को देख सकते हैं।

Q5. 'विश्व की साझी विरासत' का क्या मतलब है? वे कैसे शोषित और प्रदूषित हैं?

उत्तर : किसी एक राज्य के अधिकार क्षेत्र से बाहर स्थित क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के अधीन आते हैं जिसे 'विश्व की साझी विरासत' कहते हैं। जैसे पृथ्वी का वातावरण, अंटार्कटिक महासागर और बाहरी अंतरिक्ष। अस्पष्ट वैज्ञानिक सबूत, पर्यावरणीय मुद्दों पर आम सहमति की कमी के कारण उनको शोषित और प्रदूषित किया जाता है। उत्तर-दक्षिण असमानताएं भी थीं और उनकी शोषणकारी गतिविधियां और प्रतिस्पर्धा में अंतरिक्ष के उचित प्रबंधन का अभाव था।

Q6. 'साझी परन्तु अलग-अलग जिम्मेदारियों' से क्या अभिप्राय है? हम इस विचार को कैसे लागू कर सकते हैं?

उत्तर : पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दे हैं जिन्हें सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों द्वारा संदर्भित किया जाता है। सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों का स्पष्ट अर्थ है कि देश पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य और अखंडता के संरक्षण, रक्षा और बहाल करने के लिए वैश्विक साझेदारी की भावना में सहयोग करेगा। विकसित देश इस बात को स्वीकार करते हैं कि वैश्विक पर्यावरण पर उनके समाजों के दबाव और उनके द्वारा आदेशित तकनीकी और वित्तीय संसाधनों को ध्यान में रखते हुए सतत विकास की अंतर्राष्ट्रीय खोज में उनकी जिम्मेदारी है। हम जून 1992 में आयोजित रियो-शिखर सम्मेलन जैसे सम्मेलनों और घोषणाओं की मदद से इस विचार को लागू कर सकते हैं। रियो-शिखर सम्मेलन ने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, वानिकी से निपटने वाले सम्मेलनों का उत्पादन किया और एजेंडा 21 नामक विकास प्रथाओं की एक सूची की सिफारिश की।

Q7. 1990 के दशक से ही वैश्विक पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दे देशों की प्राथमिक चिंता क्यों बन गए हैं?

उत्तर : वैश्विक पर्यावरण संरक्षण से संबंधित मुद्दे 1990 के दशक के बाद से देशों की प्राथमिक चिंता बन गए क्योंकि वैश्विक स्तर पर, पर्यावरणीय मुद्दों ने जून 1992 में एजेंडा 21 के तहत ब्राजील के रियो-डि-जेनेरियो, में आयोजित पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में विभिन्न देशों की उपस्थिति को आकर्षित किया। रियो-शिखर सम्मेलन 1992 जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता और वानिकी से निपटा। एजेंडा 21 ने पारिस्थितिक जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक विकास को संयुक्त किया। क्योटो प्रोटोकॉल ने ग्रीनहाउस उत्सर्जन के लिए लक्ष्य भी तय किए। उपर्युक्त सम्मेलनों और शिखर सम्मेलनों ने वैश्विक स्तर पर

पर्यावरण के मुद्दों को विभिन्न तरीकों से उठाया। वर्तमान समय में हम इन मुद्दों के महत्व को देखते हैं जो किसी एक राष्ट्र के लिए नहीं बल्कि विश्व के लिए महत्वपूर्ण हैं।

Q8. पृथ्वी को बचाने के लिए जरूरी है कि विभिन्न देश सुलह और सहकर की नीति अपनाएं। पर्यावरण के सवाल पर उतरी और दक्षिणी देशों के बीच जारी वाताराओ की रोशनी में इस कथन की पुष्टि करें।

उत्तर : पिछले कुछ वर्षों में विश्व का पर्यावरण बड़ी तेजी से खराब हुआ, जिसके कारण पृथ्वी के अस्तित्व को कई गंभीर खतरे पैदा हो गए हैं। इसलिए विश्व के अधिकांश देशों ने पृथ्वी को बचाने के लिए परस्पर सुलह और सहकर की नीति अपनाई। इसी संदर्भ में तथा दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों ने पृथ्वी के संरक्षण के लिए आपस में कई बार बातचीत की। यद्यपि पृथ्वी को बचाने के लिए दोनों गोलार्द्ध के देश वचनबद्ध दिखाई पड़ते हैं, परन्तु पृथ्वी बचाने के तरीको पर दोनों गोलार्द्ध के देशों में सहमती नहीं बन पा रही है।

Q9. देशों के सामने सबसे गंभीर चुनौती वैश्विक पर्यावरण को और नुकसान पहुंचाए बिना आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने की है। हम इसे कैसे हासिल कर सकते हैं? कुछ उदाहरणों के साथ समझाइए।

उत्तर : ऐसे कई तरीके हैं जिनसे वैश्विक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना भी आर्थिक विकास हासिल किया जा सकता है। हमने देखा कि जून 1992 में, पृथ्वी शिखर सम्मेलन ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना स्थायी विकास के लिए कुछ रूढ़िवादी उपाय प्रदान किए। आपसी आर्थिक विकास के लिए 1959 की 'विश्व की साझी विरासत' की अंटार्कटिक संधि भी है। इस विषय में क्योटो प्रोटोकॉल को एक प्रमुख विकास के रूप में देखा जाता है, क्योटो प्रोटोकॉल ने पर्यावरण की रक्षा के लिए और उद्योगों को भी विकसित करने के लिए औद्योगिक देशों से ग्रीनहाउस उत्सर्जन में कटौती की। संसाधन भूराजनीति, राष्ट्रों के सतत विकास के लिए वैश्विक क्षेत्र के राष्ट्र राज्यों के बीच प्राकृतिक संसाधनों का आवंटन और वितरण करती है। इसलिए विभिन्न तरीके हैं जिनसे हम इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।